15-3-1987.

ज्ञानीजी और राजीव के च चन्द्रास्वामी

—आलोक मेहरोत्रा—

नई दिल्ली, 27 मार्च। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के संबंधों को लेकर उत्पन्न गंभीर विवाद में तांत्रिक चन्द्रा स्वामी की अहम भूमिका [illegible] के लिए उपयोग किया जा रहा है। चन्द्रा स्वामी से कल राष्ट्रपति जैल सिंह से मिला था। [illegible] राजीव गांधी से उनकी भेंट नहीं हो पाई है।

चन्द्रा स्वामी का दावा है कि उनके तुगलकाबाद के [illegible] में ज्ञानी जैल सिंह ठहरे हैं। जो जैल सिंह उनके घर पर्याप्त अरसा है। कई महीने विदेश में रहने के बाद चन्द्रा स्वामी अचानक दिल्ली राजनीतिक [illegible] में सक्रिय दिखाई दिए हैं। उनकी राजनीतिक गतिविधियां आश्रम तक सीमित नहीं हैं। वह कांग्रेस और विरोधी दलों के कई नेताओं को राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री बनने का "आशीर्वाद" दे चुके हैं। उनके लिए राजनीतिक जोड़-तोड़ करने का काम भी कर रहे हैं।

[illegible] के अनुसार चन्द्रा स्वामी ने ज्ञानी जैल सिंह से भेंटकर यह [illegible] कि वह उन्हें एक बार फिर राष्ट्रपति बनाने के लिए प्रयास करेंगे। यदि कांग्रेस [illegible] उम्मीदवार नहीं बनाता तो [illegible] एक [illegible] और [illegible] राष्ट्रपति बनवा देंगे। अर्थात राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह इस बार चन्द्रा स्वामी से [illegible] मिले हैं। उन्होंने [illegible] चन्द्रा स्वामी को [illegible]। उन्होंने [illegible] चन्द्रा स्वामी का स्वागत [illegible] नहीं है।

चन्द्रा स्वामी ने [illegible] अपने पुराने भक्त [illegible] मंत्री पी.वी. नरसिंह राव, [illegible] सांसद श्री [illegible] से भेंट की है। उन्होंने श्री नरसिंह राव से भेंट के दौरान प्रधानमंत्री बनने का आशीर्वाद दिया और इसके लिए जोड़-तोड़ की [illegible]। बताया जाता है कि श्री नरसिंह राव ने बड़ी विनम्रता के साथ इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और राजीव गांधी के नेतृत्व के प्रति अपनी [illegible] व्यक्त की।

श्री [illegible] से भेंट करने की चन्द्रा स्वामी की [illegible] तक सफल नहीं हो पाई है। [illegible] राजीव नेताओं में से, फारूक [illegible] राम कृष्ण हेगड़े, श्री [illegible] श्री राम जेठमलानी [illegible] दिनों मिलते हैं। [illegible] चन्द्रा स्वामी [illegible] पहले [illegible] और उनके साथियों की बातचीत [illegible] सरकार पर [illegible] के मालिक श्री राम [illegible] जाकर के साक्षात्कार भी [illegible]। किन्तु पत्रकार [illegible] ने [illegible] से [illegible] निराकार किया है।

चन्द्रा स्वामी अपने [illegible] से यह दावा भी करते हैं कि ज्ञानी जैल सिंह [illegible] राष्ट्रपति पद पर रहेंगे।

चन्द्रा स्वामी इन दिनों [illegible] अपने [illegible] फिल्मी [illegible] से भी मिले हैं। वे उन्हें भी [illegible] और [illegible] उन की तरह राजनीति में [illegible] की सलाह दे रहे हैं।

जो राजीव गांधी से भेंट नहीं हो पाने के कारण चन्द्रा स्वामी उनको [illegible] करने में लगे हुए हैं। इलाहाबाद में [illegible] किसी पत्रकार परिषद को एक इंटरव्यू में चन्द्रा स्वामी ने कहा था कि राजीव गांधी का स्वभाव [illegible] है कि एक प्रधानमंत्री को संचालन के लिए किस कानून तथा संविधान की जानकारी होनी है। उसका उन्हें अभाव है। प्रधानमंत्री के जब [illegible] बड़े हो जाते हैं और [illegible] सारी [illegible] तो वह प्रधानमंत्री बनने की जिम्मेदारी नहीं है। देश निर्माण में [illegible] है [illegible] से नहीं।

चन्द्रा स्वामी ने यह भी कहा है कि "[illegible] को [illegible] नहीं [illegible] चाहिए। जैसे [illegible] हो रहा है। राजीव गांधी ने [illegible] समस्याओं [illegible] कर [illegible] उन्होंने जहां-जहां समस्याओं [illegible] वहां-वहां [illegible] समाधान हो गया। जैसे [illegible] मिजोरम में कांग्रेस समाप्त हो गई है। [illegible] कांग्रेस सरकार बनने में [illegible] लगा।"